लम्पी बीमारी से 500 से अधिक गायें मरी, 20 सदस्यों की टीम गुजरात से पथमेड़ा पहुंची

पिछले चार दिनों से पथमेड़ा में रोजाना 25 से 30 गायों की मौत हो रही है

सांचौर, (निसं)। सांचौर क्षेत्र में स्थित गौधाम पथमेडा जहां पर लंपी बीमारी की वजह से गौवंश खतरे में है। क्षेत्र में स्थाई इलाज के अभाव में पांच सौ से अधिक गोवंश की मौत हो गई है एवं गौशालाओं के समक्ष गायों को इस महामारी से बचाने की चुनौती पैदा हो गई है। पालडी स्थित गौशाला में सबसे अधिक इस महामारी से गोवंश शिकार हुआ है जिसमें करीब 350 के करीब गाय इस महामारी की चपेट में आ चुकी है। चिकित्सा विभाग की टीम लगातार प्रयास करके स्वस्थ गोवंश का टीकाकरण कर रही हैं।

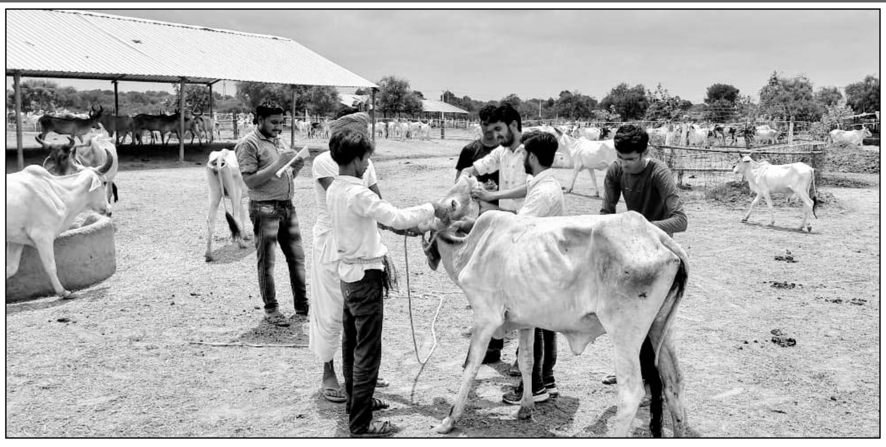

सांचौर के निकट गोधाम पथमेड़ा में गुजरात से आई चिकित्सा टीम ने गायों का टीकाकरण किया।

गोधाम पथमेडा में इस महामारी से गोवंश को बचाने के लिए गुजरात के धानेरा, थराद से पशु चिकित्सकों की 20 सदस्यों की टीम पहुंची व 2 दिन में करीब 3000 गोवंश का टीकाकरण किया है।

गोधाम पथमेडा की विभिन्न गौशाला में करीब, 2 हजार से अधिक गायों में संक्रमण फैला हुआ है। इन गोशालाओं में पहला केस 18 जुलाई को सामने आया था। इसके बाद से लगातार गायों में संक्रमण फैलता गया और गायों की मौत होना शुरू हो गई। गौवंश की मौत होने के बाद प्रशासन गौशाला प्रशासन एवं ग्रामीणों के सहयोग से गौशाला में टीम द्वारा लगातार कार्य किया जा रहा है जिससे इस महामारी को लेकर अब स्थिति काफी नियंत्रण में होने का दावा किया जा रहा है।

पथमेडा गोशाला के विट्ठल कृष्ण महाराज ने बताया कि 18 जुलाई को पहला केस सामने आने के बाद शुरू में तो प्रतिदिन चार से पांच गायों की मौत हो रही थी, लेकिन पिछले चार दिनों से रोजाना 25 से 30 गायों की मौत हो रही है। उन्होंने राज्य सरकार से इस बीमारी में गोवंश के लिए सहायता राशि के साथ दवाई देने की मांग की है। पशु पालन विभाग के नोडल अधिकारी डॉक्टर रामा भाई पटेल ने बताया कि क्षेत्र में लंपी स्किन बीमारी से करीब 1500 से ज्यादा गोवंश चपेट में है। इसको लेकर पशु पालन विभाग के डॉक्टरों की टीम लगाकर इलाज कर रही है।

उन्होंने बताया कि इसका अभी कोई टीका नहीं है। इससे बचाव ही उपचार है। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि जो भी पशु इस बीमारी का शिकार हुआ है उसे स्वस्थ पशु से दूर रखें। लंपी स्किन बीमारी

- **पथमेडा की गौशालाओं में करीब दो हजार से अधिक गायों में संक्रमण फैला हुआ है**

अभी केवल गायों में ही फैल रही है।

गोधाम पथमेडा के संस्था प्रधान व संरक्षक स्वामी दत्त शरणानंद महाराज अहमदाबाद में चल रहे चातुर्मास को छोड़कर गौशालाओं का जायजा लेने के लिए सांचौर पहुंचे और उन्होंने विभिन्न गौशालाओं का दौरा करके गोवंश की हो रही मौत के मामले को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने प्रशासन एवं गौ भक्तों से इस पुनीत कार्य में गंभीरता से कार्य करने एवं गोवंश को बचाने का आव्हान किया। जिस पर प्रशासन अलर्ट होने के साथ-साथ गुजरात में अन्य जगहों से भी चिकित्सा का टीमों ने दौरा कर गोवंश के टीकाकरण का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू किया।

भीषण सड़क हादसे में 4 की मौत, एक महिला पीबीएम अस्पताल में भर्ती

टक्कर में दोनों कारों के ड्राइवरों ने दम तोड़ा

बीकानेर, (कासं)। श्रीडूंगरगढ़ में कार और बोलेरो गाड़ी में जबर्दस्त टक्कर में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि एक महिला गंभीर हालत में पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में है। हादसा श्रीडूंगरगढ़ में पेट्रोल पंप के पास रविवार दोपहर करीब 4 बजे हुआ। हादसे के दौरान बोलेरो में सवार ड्राइवर व महिला दोनों की मौत हो गई। जबकि दूसरी कार में सवार पति की मौत हो गई जबकि पत्नी गंभीर रूप से घायल है। एक मृतक की पहचान नहीं हो पाई।

इनोवा कार के ड्राइवर विनोद पुत्र जीवाराम व सुलोचना पत्नी महिपाल सिंह की भी मौत हो गई है। सुलोचना ने पीबीएम

- **हादसा श्रीडूंगरगढ़ में पेट्रोल पंप के पास रविवार दोपहर करीब चार बजे हुआ**

अस्पताल पहुंचते ही दम तोड़ दिया।

दूसरी कार में सवार संजय पुत्र ओमप्रकाश शर्मा की बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस कार के ड्राइवर की मौत मौके पर ही हो गई। जिसके शव को श्रीडूंगरगढ़ अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है। इस मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। कार सवार शालिनी पत्नी संजय शर्मा पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में मौत से जंग लड़ रही है। मृतकों में एक कार के चालक की पहचान विनोद के रूप में हुई है। जो झुंझुनूं निवासी है। जबकि एक अन्य मृतक संजय जयपुर का रहने वाला है। दूसरी कार में सवार सुलोचना भी जयपुर की रहने वाली थी। मृतकों में संजय शर्मा बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष हैं। हादसे की जानकारी मिलने के साथ ही बीकानेर के कई वरिष्ठ वकील भी पीबीएम अस्पताल पहुंच गए।

बघेरे ने गाय का शिकार किया

निवाई, (निसं)। उपखंड के गांव बस्सी में शनिवार की रात को पहाडी पर स्थित बालाजी मंदिर के समीप बघेरे ने एक आवारा गाय का शिकार कर लिया। गाय का शिकार करने से ग्रामीणों में भय व्याप्त हो गया है। ग्रामीण खुशीराम पोसवाल गणेश पोसवाल व ईश्वर कसाना ने बताया कि शनिवार की रात को बघेरे पहाडी पर बनी हुई गुफा में एक आवारा गाय का शिकार कर लिया जिससे उसकी मौत हो गई।

विद्यालय में भरा पानी

निवाई, (निसं)। ग्राम पंचायत रजवास के राजकीय प्राथमिक विद्यालय बैरवा बस्ती में बरसात होने पर विद्यालय परिसर सहित कमरों में पानी भर जाता है। जिससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को कई परेशानियां होती हैं।

प्रधानाध्यापिका ममता शर्मा ने बताया कि जब भी बरसात होती है तो विद्यालय के कमरों सहित सारे परिसर में पानी भर जाता है और विद्यालय एक तलाई के रूप में दिखाई देने लगता है। पानी भरने से बच्चों को शिक्षण कराना असंभव हो जाता है। विद्यालय के अध्यापक हनुमान गुर्जर ने बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए कई बार सरपंच, शिक्षा विभाग, उपखण्ड अधिकारी और तहसील कार्यालय में स्थित बाढ नियंत्रण कक्ष के माध्यम से भी अधिकारियों को अवगत करवा चुके हैं लेकिन अभी तक भी बच्चों की समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि कई बच्चे इस परेशानी के चलते नियमित स्कूल आने से भी किनारा करने लगे हैं।

बॉर्डर और छावनी एरिया के पास नहीं उड़ सकेंगे ड्रोन

बीकानेर, (कासं)। सेना ने कहा है कि छावनी एरिया और बॉर्डर पर ड्रोन उड़ाने पर पाबंदी लगाई जानी चाहिए। ड्रोन

- **सैन्य संपर्क सम्मेलन में सेना और प्रशासन के बीच कई मुद्दों पर चर्चा**

एक्टिविटी से सुरक्षा में बाधा उत्पन्न होती है साथ ही गोपनीयता भी भंग होती है। बॉर्डर पार से हो रही मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने की दिशा में ठोस कदम उठाने पर भी चर्चा हुई।

सेना की रणबांकुरा डिवीजन में नागरिक सैन्य संपर्क सम्मेलन के दौरान सेना, बीएसएफ, एयर फोर्स और आईबी के अधिकारियों ने प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों के साथ आंतरिक सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा के साथ ही साइबर क्राइम की बढ़ती वारदतों पर चिंता जाहिर की। इसके साथ ही सेना में अगले महीने होने वाली अग्निवीरों की भर्ती को लेकर विचार विमर्श किया। भर्ती में हजारों की संख्या में युवक भाग लेंगे। उनके आवागमन के साधनों और सुरक्षा संबंधी उपायों पर बातचीत की गई। इसके अलावा पूर्व सैनिकों के कल्याण के मुद्दे भी उठे। सम्मेलन का उद्देश्य कार्यात्मक और योजना दोनों स्तरों पर अधिक समन्वय और तालमेल हासिल करना था। संभागीय आयुक्त नीरज के पवन, आईजी ओम प्रकाश, बीएसएफ डीआईजी पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़, एसपी योगेश यादव, एएसपी अमित कुमार सहित आईबी, सेना और एयर फोर्स के प्रतिनिधि बैठक में शामिल हुए। सैन्य प्रवक्ता के अनुसार यह बैठक राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास की दिशा में काम करने के लिए सेना और प्रशासन के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों में एक मील का पत्थर है।

केसरिया शाही ध्वज चढ़ने के साथ डिग्गी लक्खी मेले का समापन

डिग्गी मेले के समापन अवसर पर पदयात्रा का शाही ध्वज मंदिर शिखर पर चढ़ाया गया।

मालपुरा/डिग्गी, (निसं)। जयपुर ताड़केश्वर मंदिर से तीन अगस्त को शुरू हुई 57वीं लक्खी पदयात्रा के केसरिया शाही ध्वज के डिग्गी पहुंचने पर डिग्गी कल्याण मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष व उपखण्ड मजिस्ट्रेट रामकुमार वर्मा सहित एएसपी राकेश कुमार बैरवा, डीवाईएसपी सुशील मान, एडीएम प्रभातीलाल जाट, रामदास ट्रस्ट अध्यक्ष ठाकुर रामप्रताप सिंह व मंदिर ट्रस्टियों ने लक्खी पदयात्रा के शाही निशान का भव्य स्वागत किया।

गंगोत्री से लाये पवित्र जल से कल्याणधणी की प्रतिमा का अभिषेक व केसरिया ध्वज मंदिर शिखर पर चढ़ने के साथ 57वें लक्खी मेले का समापन हुआ। पदयात्रा संयोजक श्रीराम लौहे वाले व राष्ट्रीय कथावचक वैभव श्रीजी, भारत तिब्बत संवादमंच के भारती वैष्णव व संदीप कुमार की अगुवाही में डिग्गी पहुंचे केसरिया ध्वज के साथ डिग्गी कस्बे में

- **मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष ने की केसरिया ध्वज की अगवानी**
- **गाजे-बाजे से निकला जूलूस, पांच दिन में छह लाख से अधिक कल्याण भक्तों ने दर्शन किये**

भव्य शोभायात्रा निकाली गई जहां कल्याण भक्तों पर पुष्प वर्षा की गई। नाचते-गाते पदयात्रियों व कल्याण भक्तों ने मंदिर पहुंच दरबार में ढोक लगा मनोतियां मांगी। पदयात्रा संयोजक सहित ट्रस्ट अध्यक्ष ने गंगोत्री के पवित्र जल से वैदिक मंत्रों के साथ डिग्गी कल्याणजी महाराज की प्रतिमा का जलाभिषेक कर मंदिर के शिखर पर केसरिया ध्वज चढ़ाया।

डिग्गी कस्बा कल्याणजी के प्रिय व पवित्र वस्त्र केसरिया के रंग में रंग गया। पांच दिन में मेले में देश व प्रदेश से पहुंचे 6 लाख से अधिक कल्याण भक्तों ने कतारबद्ध श्रीजी के दर्शन किये। स्थानीय पुलिस व प्रशासन द्वारा मेले के दौरान पदयात्रियों की सुरक्षा के लिए किये गये चाक-चौबंद बंदोबस्त किए थे।

विजय सागर तालाब पर कड़े सुरक्षा पहरे में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। तो 2 लाख से अधिक भक्तों ने डिग्गी नुक्कड चौराहे से मंदिर तक 3 किमी. तक आस्था की कनक दण्डवत की। रविवार को अवकाश के चलते डिग्गी में मेला पूर्ण परवान पर रहा। डिग्गी की ओर आने वाले सभी रास्तो पर कल्याण भक्त हाथो मे केसरिया ध्वज लिये कल्याण महाराज के जयकारे लगाते धर्मनगरी डिग्गी पहुंचे।

नाबालिग से दुष्कर्म का मामला दर्ज

उनियारा/चौरू, (निसं)। उनियारा उपखंड अलीगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत पीड़ित नाबालिक पुत्री के पिता

- **पड़ोस में रहने वाला युवक घर पर आ गया एवं बालिका के साथ दुष्कर्म किया**

ने अलीगढ़ पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है कि मेरी नाबालिग पुत्री शनिवार शाम को घर पर अकेली थी उसे देखकर शाबाश उर्फ फोदू पुत्र सलीम मोहम्मद ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। अलीगढ़ थाना प्रभारी नाहर सिंह मीणा ने बताया कि पीडित बालिका के पिता ने बताया कि मैं और मेरी पत्नी खेत पर काम करने गए हुए थे इस दौरान घर पर मेरी पुत्री को अकेला देखकर पडोस में रहने वाला युवक घर पर आ गया एवं बालिका के साथ दुष्कर्म किया। पीड़ित बालिका ने शाम को अपनी मां से अपने साथ हुई घटना की आपबीती बताई। इस पर पीडित बालिका के पिता ने अलीगढ़ थाने पर पहुंचकर मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

खाटूश्यामजी जा रही बस पलटी, 17 जने घायल

घायलों का रींगस सीएचसी में उपचार किया गया।

रींगस, (निसं)। खाटू श्यामजी के दर्शनों के लिए नोएडा से आ रही एक बस राजमार्ग पर दूसरे वाहन के साइड दबाने से बचने के प्रयास में पलट गई।

दुर्घटना में 17 लोग घायल हो गये। घायलों में से एक को जयपुर रैफर किया गया है। जानकारी के अनुसार नोएडा से एक बस में श्याम श्रद्धालु सवार होकर खाटू श्यामजी आ रहे थे। सुबह सात बजे यहां पर राजमार्ग पर रीको मोड पर बस से आगे चल रहे एक अन्य साधन ने साइड दबा दी। दुर्घटना से बचने के प्रयास में वाहन चालक ने बस को घुमाया तो पलटी खा गई। बस के पलटने से 17 श्रद्धालु घायल हो गये इन्हें रींगस सीएचसी में भर्ती करवाया गया जहां से एक को जयपुर रैफर कर दिया गया। घायलों में ओमप्रकाश चौहान, कौशल चौहान, सुभी चौहान, सुहानी चौहान, सुमन चौहान, पीहू चौहान, मानसी चौहान, चमन सिंह, विमला, राखी, ज्योति, काजल, कशिश, रेणु चौधरी, सतीश चौधरीद्ध सुमन चौहान शामिल है। पुलिस ने वाहन को सड़क से हटा कर मार्ग खुलवाया।

घग्घर नदी के पानी से सिंचाई कर रहे किसान

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के अंदर से गुजरने वाली अंतर्राष्ट्रीय बरसाती नदी में एक दशक बाद इस बार लगातार 16 दिनों से पानी प्रवाहित हो रहा है। इससे हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर जिले के लगभग 1 लाख हेक्टेयर में खड़ी धान और नरमा की फसलों को लाभ हुआ है। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के अनुसार वर्ष 2019 में लगातार 9 दिन पानी चला था। इस बार 22 जुलाई को घग्घर में पानी की आवक शुरू हुई और लगातार लगभग 2 हजार से 5 हजार क्यूसेक नाली बैड में चलाया जा रहा है। सबसे ज्यादा लाभ धान उत्पादक किसानों को हुआ है।

किसान धान के खेतों में घग्घर के पानी से सिंचाई कर रहे हैं। घग्घर के पानी से सिंचाई करने से धान की पैदावार 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। सेम नाला में भी घग्घर का पानी छोड़ने से नरमा की फसलों में भी किसानों ने सिंचाई की है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार भूमिगत जल स्तर में भी बढ़ोत्तरी हो रही है। प्रत्येक वर्ष 10 से 15 दिन पानी चलता है, लेकिन पानी की निरंतरता नहीं रहने के कारण अंतिम छोर पर नहीं पहुंच पाता। इस बार पानी पाकिस्तान पहुंचने की संभावना है।

हिमालय का पानी घग्घर के माध्यम से हनुमानगढ़ आता है। गुलाचिका से शुरू हुआ पानी हरियाणा होते हुए राजस्थान में प्रवेश करता है। शनिवार को गुल्लाचिका से 6950 क्यूसेक पानी की आवक बढ़ गई। इसी तरह घग्घर नदी में भी 650 क्यूसेक पानी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। जानकारी के अनुसार गुल्लाचिका से 4620 क्यूसेक पानी प्रवाहित हो रहा था जो शनिवार को बढ़ कर 11 हजार 550 क्यूसेक हो गया। जयनारायण बेनीवाल, पूर्व उपनिदेशक कृषि (विस्तर), हनुमानगढ़ का कहना है कि 'घग्घर नदी में आने वाला पानी धान की फसल के लिए लाभदायक होता है। घग्घर के पानी से सिंचाई करने से खाद की भी जरूरत नहीं रहती।

धौलपुर में हुई भारी बारिश, सड़कें बनी दरिया

बारिश के बाद दर्जनों दुकानों और शहर के निचले इलाकों में पानी भर गया।

धौलपुर (निस)। धौलपुर शहर सहित जिलेभर में रविवार को सुबह से दोपहर तक भारी बारिश हुई। जिससे सड़कें दरिया बन गई और लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि बरसात से लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

सिंचाई विभाग धौलपुर के पपेन्द्र मीणा ने बताया कि रविवार को धौलपुर शहर में 67 , बाड़ी में 17, बसेड़ी में 12, सैंपऊ 96, राजाखेड़ा में 15, तालाबशाही में 17, उर्मिला सागर में 9 एवं आंगई में 6 एमएम बारिश दर्ज की गई है। रविवार को सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए हुए थे और दिन में भी रात जैसा अंधेरा हो रहा था।

- **सुबह से शुरू हुआ बारिश का दौर दोपहर तक चलता रहा**

सुबह करीब 10 बजे से तेज बारिश का दौर शुरू हुआ, जो दोपहर तक चला। इस दौरान भारी बरसात हुई। जिससे धौलपुर शहर की सड़कें दरिया बन गई। जिसकी वजह से लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं दर्जनों दुकानों और धौलपुर शहर के निचले इलाकों में भारी पानी भर गया। जिससे लोगों को भारी परेशानी हुई।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत और राज्य मंत्री चौधरी ने लंपी स्कीन डिजीज का फीडबैक लिया

एक-एक वॉट्सऐप ग्रुप पांचों जिलों में बनाया जाए, जिस पर ग्रामवासी सीधा सूचित करें

जोधपुर, (कासं)। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने राजस्थान में गोवंश में फैले खतरनाक संक्रामक रोग लंपी वायरस संक्रमण के संदर्भ में आज स्थानीय डीआरडीए हॉल में जोधपुर, पाली, जालौर, जैसलमेर बाड़मेर के विविध जिलों के सक्षम अधिकारियों से विस्तार से चर्चा कर जानकारी ली। लंपी स्कीन डिजीज बीमारी की रोकथाम हेतु गए उपायों के बारे में फीडबैक लिया। समाधान करने के लिए राजस्थान सरकार से भी आग्रह किया ताकि पशु पालकों को राहत दी जा सके।

इस दौरान राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत मौजूद रहे। शेखावत ने मुख्यमंत्री से लंपी वायरस के कारण अपना पशुधन गंवाने वाले पशुपालकों और किसानों को मुआवजा देने का आग्रह किया।

जोधपुर के डीआरडीए हॉल में मंत्रियों ने लंपी स्कीन बीमारी को लेकर जानकारी ली।

रविवार को बैठक के बाद मीडिया के साथ अनौपचारिक बातचीत में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि गुजरात के रास्ते से आकर पिछले दो महीने में पश्चिमी राजस्थान के लगभग सभी जिलों में लंपी वायरस कहर बरपा है। हजारों गायों की मौत हो चुकी है। यदि पश्चिमी राजस्थान का आंकडा उठाकर देखें तो लगभग एक लाख से ज्यादा पशुधन इससे संक्रमित हुआ है। यह आंकडा निरंतर बढता जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऐसे सारे मृतक पशुओं का मुआवजा राजस्थान सरकार को गरीब लोगों, पशुपालकों और किसानों को देना चाहिए। मैं मुख्यमंत्री से आग्रह करूंगा। उन्हें पत्र लिखकर हम सभी लोग आग्रह करेंगे कि तुरंत इस पर निर्णय लेकर प्रभावित पशुपालकों को मुआवजा देना चाहिए।

शेखावत ने कहा कि हम लगातार जिला प्रशासन और राज्य सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं इस बीमारी की किस तरह से रोकथाम की जा सके। वर्तमान स्थिति और हालात पर एक बार पूरे विस्तार से चर्चा कर अधिकारियों को निर्देश दिये हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि हमको टेक्नोलॉजी का सहारा लेना होगा। एक-एक वॉट्सऐप ग्रुप पांचों जिलों में बनाया जाए, जिस पर ग्रामवासी सीधा सूचित कर सकें। वीडियो कॉल के माध्यम से गांव के जनप्रतिनिधि संक्रमित पशु का एक बार डॉक्टर से निरीक्षण कराएं और तुरंत उपचार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि दवाइयों की खरीद के लिए सरकार ने पैसा दिया है, उसका भी समुचित उपयोग हो।

मीडिया और सरकारी आंकडों में फर्क होने के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि निश्चित रूप से फर्क है। सरकारी आंकड़ों की समीक्षा में यह विषय संज्ञान

- **'हालात जितना सरकार ले रही है, उससे कहीं ज्यादा गंभीर और चिंताजनक'**

में आया है। अब तक केवल 20 प्रतिशत पशुधन का ही सर्वे हो पाया है। जोधपुर, बाड़मेर और जैसलमेर में ही लगभग 25-30 लाख के बीच गायों की जनसंख्या है, लेकिन अब तक चार लाख के आस-पास का सर्वे हुआ है। सरकार का आंकड़ा चार लाख के अनुपात में है, बाकी आंकडा 6-7 गुना अधिक तक हो सकता है, जो मीडिया ने अपने स्तर से इकट्ठा किया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हालात जितना सरकार ले रही है, उससे कहीं ज्यादा गंभीर और चिंताजनक हैं। जिला कलेक्टर अपने-अपने जिले में अधिकारियों को लगाकर हरेक गांव में कितना पशु संक्रमित हुआ है, कितनी गाय मरी हैं, उसका आंकडा और सूचना एकत्रित करें।